

काशी तमिल संगमम् 5.0 · तिरुक्कुरल पयिल्वोम

प्रत्येक दिन लेल बारह कुरल

திருக்குறள் · Thirukkural · Thiruvalluvar

391

कल्वि · Learning

कற்க कसदहक कற்பवै कर्हपिन्
निरक अतर्कुत्त तक.

सीखू सीखक लायक सब, बिना संसयकै सीखू।
सीखलाक उपरांत, आचरण करू सटीक॥

291

वाय्यमे · Veracity

वाय्यमे एनपुवतु यातेनियं यातोनन्नुम
तैमे इलात सोलल.

जे बोली दोसरकै अहित, नहि करय से जानि।
सत्यक लेल वैह ठीक, परिभाषा अछि मान॥

152

पोहयुदेमे · The Possession of Patience, Forbearance

पोहयुत्तल इहपिने एन्नन्नुम अतने
महत्तल अतनियुम नन्नु.

दोसरक कैल जुलुमकै, सर्वदा सहनाय उत्तम।
ओहिसँ बढिकऽ ओकरा, बिसरि जेनाइ सर्वोत्तम॥

211

ओपुवहिदल · Duty to Society

कैममाहु वैण्डा कडप्पाडु मारीमाडु
एन्नोर्हुङ्ग कोल्लो लकु.

नहि चाहय उपकारक, पायब प्रत्युपकार।
मेघक बदला ओहो, कि दैत संसार॥

611

ओल्विने उदेमे · Manly Effort

अरुमे उदेत्तेन्नु असावामे वैण्डुम
पेरुमे मुयर्शि तरुम.

कठिन काज सोचि, नहि होय निरुत्साह।
मिलत निजक बड़प्पन, करैत निरंतर प्रयास॥

945

मरुन्तु · Medicine

माहुपाडु इल्लात उण्णु महुत्तुण्णुनियं
अहुपाडु इल्लै उयिर्कु.

शरीरक अनुकूल जे करय, पथ्याहारक भोग।
प्राणक संकटकै बहुत, दूर रहत रोग।

423

अविदुदेमे · The Possession of Knowledge

एप्पोरुन् यार्यारवाय्क केडपिनुम अप्पोरुन्
मेय्प्पोरुन् काण्ण तवि.

जे ककरोसँ सुनि लिअ कोनो बात।
बुद्धि ओकरे कहैत छैक, जे सचकै करय ज्ञात॥

108

सेय्न्नेनियहिदल · Gratitude

नन्नि मरुत्तु नन्नेन्नु नन्नेल्लतु
अन्ने मरुत्तु नन्नु.

उपकारकै मोन नहि राखब, कहियो नहि होइत छैक नीक।
अपकारक संगे-संग, भुलि जेनाय सबसँ नीक।

100

इनियवै कुहल · The Utterance of Pleasant Words

इनिय उल्लवाक इन्नोत कुहल
कनियिर्पुत्तक काय्कवर्न्त तर्हु.

मधुर वचनक छोड़िकऽ जे करे कटु बचन जान।
पाकल फल छोड़िकऽ, काँच फलक ग्रहण समान॥

991

पण्णुदेमे · Courtesy

एण्णत्तल्ल एय्तल एनितेन्प यार्माडुम
पण्णुदेमे एन्नन्नुम वळुक्कु.

सबहक प्रति सौहार्द, आ सुलभ व्यवहार।
ओहिना आसान भऽ जाय, पौनाय शिष्टाचार॥

621

इडुक्कण अय्यामे · Hopefulness in Trouble

इडुक्कण वरुङ्काल नकुक्क अतने
अडुत्तार्वतु अण्णोत्ताप्प तिल.

बिपद जखन आबि जाय तखन, भऽ जाय प्रसन्न।
ओहिसँ मुक्ति होबाक, उत्तम मार्ग नहि भिन्न॥

972

पेरुमे · Greatness

पिहप्पोक्कुम् एल्ला उयिर्कुम् चिहप्पोव्व
सेय्त्तोळिल् वैर्णुमे यान्.

जन्मसँ सब मानव, हुए एक समान।
किन्तु कर्म-भेद विशेषसँ, गुण विशेष नहि समान॥

